चित्र: बोस्टन टी पार्टी

6.2.6. 1774 का कोएर्सिव एक्ट और फिलाडेल्फिया कांग्रेस

- बोस्टन टी पार्टी की घटना के लिए ब्रिटेन ने मैसाचुसेट्स को दंडित करने एवं उसके स्वशासन के अधिकार को समाप्त करने के लिए **कोएर्सिव एक्ट** पारित किया था, जिसकी प्रतिक्रिया स्वरुप 12 उपनिवेशों (जार्जिया ने इसमें भाग नहीं लिया था क्योंकि यह अमेरिकी इंडियन्स के आतंक से निबटने में अंग्रेजों की सहायता पाना चाहता था) ने मिलकर पहले **महाद्वीपीय कांग्रेस या फिलाडेल्फिया कांग्रेस (1774)** का आयोजन किया था। अमेरिकियों ने सम्राट जार्ज तृतीय से घरेलू उद्योगों पर से प्रतिबन्ध हटाने, सभी देशों के साथ कम दरों पर व्यापार करने और अमेरिकी उपनिवेशों पर उनकी सहमति के बिना कर न लगाने की अपील भी की थी। ब्रिटेन ने इन मांगों का अर्थ एक विद्रोह के रूप में लिया और उपनिवेशों पर 1775 में हमला कर दिया। इसके कारण अमेरिकी प्रतिनिधियों ने **1776 में स्वतंत्रता का घोषणापत्र** बनाया (जिसका प्रारूप **थॉमस जेफरसन** द्वारा बनाया गया था), इसके निम्नलिखित बिंदु थे:
    - ईश्वर ने सभी मनुष्यों को समान बनाया है।
    - ईश्वर ने उन्हें कुछ ऐसे अधिकार दिए हैं, जिन्हें उनसे कोई छीन नहीं सकता। इन अधिकारों में जीवन, स्वतंत्रता और सुख के लिए प्रयत्न शामिल हैं।
    - गणतंत्रवाद, अर्थात सत्ता का स्रोत जनता है और दृढ़तापूर्वक यह कहा गया कि जनता को अपनी सरकार बनाने का पूर्ण अधिकार है।
    - स्वतंत्रता अर्थात अमेरिकी उपनिवेशों का ब्रिटिश सरकार ने दमन किया था और इन उपनिवेशों को मुक्त और स्वतंत्र राज्य होना चाहिए (*ध्यान दें यहाँ उपनिवेशों ने स्वयं को "स्वतंत्र राज्य" घोषित किया था। संयुक्त राज्य संघ बनाने के लिए राज्यों के साथ आने का सिद्धांत इन पंक्तियों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है)।
- स्वतंत्रता के घोषणापत्र ने दो कार्य किए – इसने "स्व-प्रमाणित सत्य (self evident truths)" के रूप में लॉक जैसे प्रबुद्ध विचारकों के राजनीतिक दर्शन का सार उपलब्ध कराया और उपनिवेशों और मातृ-देश से संबंध विच्छेद के औचित्य को सिद्ध करने के लिए शिकायतों को सूचीबद्ध किया।

VISION IAS